मधुबन-3

1. प्रार्थना

पाठ-बोध

1. (क) (i) कर्त्तव्य मार्ग पर (ख) (ii) निज जीवन (ग) (ii) सेवक बनकर
(घ) (i) शुद्ध-सरल (ङ) (iii) अन्याय।

2. (क) हम दीन दु:खी, **निबलों-विकलों** के
सेवक बन संताप हरें।
जो हैं अटके, **भूले भटके**,
उनको **तारें**, खुद तर जावें।।

(ख) निज आन-बान, **मर्यादा** का,
प्रभु ध्यान रहे, **अभिमान** रहे।
जिस देश, जाति में **जन्म** लिया,
बलिदान उसी पर हो जावें।।

3. (क) कवि ईश्वर से शक्ति प्राप्त करके कर्त्तव्य मार्ग पर चलना चाहता है।
(ख) सेवा और उपकार से वह निज-जीवन सफल बनाना चाहता है।
(ग) कवि छल, दंभ-द्वेष, पाखंड, झूठ और अन्याय से दूर रहने की प्रार्थना कर रहा है।
(घ) कवि दीन-दु:खी, निबलों और विकलों का सेवक बनकर संताप हरना चाहता है।
(ङ) कवि ने जिस देश में और जिस जाति में जन्म लिया उसी पर बलिदान होने की कामना कर रहा है।

भाषा-बोध

4. प्रभु = **भगवान**, **ईश्वर** कर्त्तव्य = **कर्तन**, **कर्तनक** प्रेम = **प्यार**, **स्नेह**
शक्ति = **ताकत**, **बल** संताप = **दु:ख**, **कष्ट** अभिमान = **घमण्ड**, **गर्व**

5. संसार = **सांसारिक** धर्म = **धार्मिक** समाज = **सामाजिक**
दिन = **दैनिक** मास = **मासिक** प्रकृति = **प्राकृतिक**

6.

→ सेवा धर्म

→ कर्त्तव्य मार्ग

देश-प्रेम

प्रेम-सुधा

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

2. समय का सदुपयोग

पाठ-बोध

1. (क) (ii) तेजी से साइकिल पर सवार होकर (ख) (iii) सूर्य-चाँद का निकलना और अस्त होना (ग) (ii) एक दिन के उपवास की (घ) (ii) सच्चे देश-प्रेम के रूप में (ङ) (i) तीन।

2. सदा समय से **काम** करो,
तुम न बहुत **आराम** करो।
नियत समय पर जो करते **काम**,
जग में वे पाते **सम्मान**।

3. (क) ✗, (ख) ✓, (ग) ✗, (घ) ✓, (ङ) ✓।

4. (क) गाँधीजी बार-बार घड़ी की ओर इसलिए देख रहे थे क्योंकि उन्हें सही समय पर सभा स्थल पर पहुँचना था।

(ख) गाँधीजी को मंच पर पहुँचकर इस बात का संतोष था कि उन्होंने सही समय पर भाषण आरम्भ कर दिया था।

(ग) गाँधीजी ने सच्चा देश-प्रेम समय पर काम करने की आदत डालने को कहा है, क्योंकि समय के पालन से ही देश की उन्नति होती है।

(घ) एक बार कस्तूरबा को आश्रमवासियों के लिए भोजन बनाने में देर हो गई तो गाँधीजी ने उन्हें पूरे एक दिन के लिए उपवास की सजा दी।

(ङ) बापू ने अपने साथी द्विवेदीजी से कहा कि पण्डितजी! क्षमा करें। जब आप आए थे तो आपके लिए दिए गए चार मिनट के समय में से केवल एक मिनट ही बाकी था। आपसे केवल कुशलता का समाचार ही पूछ सका। आशा है, भविष्य में आप समय का ध्यान रखेंगे।

भाषा-बोध

5. व्यक्तिवाचक—(क) महात्मा गाँधी (ख) साबरमती (ग) कस्तूरबा (घ) द्विवेदीजी।

जातिवाचक—(क) सभा (ख) साथी (ग) आश्रमवासियों (घ) कुटिया।

6. देश = **देशवासी** ग्राम = **ग्रामवासी** भारत = **भारतवासी** नगर = **नगरवासी**
   आदि = **आदिवासी** जापान = **जापानवासी** वृक्ष = **वृक्षवासी**
7. आश्रमवासी = **आश्रमवासियों** घड़ी = **घड़ियों**
   पंक्ति = **पंक्तियों** सवारी = **सवारियों**
   पाबन्द = **पाबन्दियों**

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

3. 'होली' का त्यौहार

पाठ-बोध

1. (क) (i) होली (ख) (ii) फाल्गुन पूर्णिमा को
   (ग) (ii) होलिका दहन के अगले दिन (घ) (i) गुलाल से (ङ) (iv) इन सभी से।
2. (क) दीपों का त्यौहार → दीपावली
   (ख) रंगों का त्यौहार → होली
   (ग) भाई-बहन का प्यार → रक्षाबंधन
   (घ) असत्य पर सत्य की विजय का त्यौहार → दशहरा
3. (क) ✗, (ख) ✓, (ग) ✓, (घ) ✗, (ङ) ✓
4. **सुबह** = नीता और नितिन बहुत खुश थे और इन्तजार कर रहे थे कि कब **सुबह** हो और वे रंग खेलें।
   प्रसन्नता = नीता और नितिन की **प्रसन्नता** की सीमा न थी।
   गुलाल = होली रंग और **गुलाल** से खेली जाती है।
   पिचकारी= नितिन ने बंदूक वाली **पिचकारी** खरीदी।
   फाल्गुन = **फाल्गुन** माह की पूर्णिमा को होली जलाई जाती है।
5. (क) पूर्णिमा (ख) गुलाल (ग) मिटाता (घ) कीचड़ (ङ) खराब।
6. (क) नीता और नितिन अपने माता-पिता के साथ बाजार से रंग-गुलाल और पिचकारी खरीदने के लिए जा रहे थे।
   (ख) बाजार में चारों तरफ गुलाल और अनेक प्रकार की पिचकारियों से दुकानें सजीं थीं।
   (ग) होली का त्यौहार फाल्गुन माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है।
   (घ) होली का त्यौहार रंगों का त्यौहार है, यह लोगों को आपसी-प्रेम, भाइचारे और मिल-जुलकर रहने का सन्देश देता है। होली के पावन पर्व पर लोग पुरानी कटुता और भेद-भाव को मिटाकर एक-दूसरे से गले मिलते हैं।
   (ङ) माँ ने नीता को समझाते हुए बताया कि बेटा! होली रंगों का त्यौहार है। फाल्गुन माह की पूर्णिमा को होलिका जलाई जाती है और दूसरे दिन रंग और गुलाल से होली खेली जाती है।

भाषा-बोध

7. छात्र स्वयं करें।

8.

'अ'	'ब'
प्रसन्नता	खुशी
दहन	जलाना
प्रथा	रिवाज
सूत्र	धागा
त्वचा	खाल
भेदभाव	अंतर

9.

10. अग्नि = **आग**, **अनल** जल = **पानी**, **नीर** आँख = **लोचन**, **चक्षु**
भेदभाव = **अन्तर**, **भिन्नता**

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

4. जेम्सवाट

पाठ-बोध

1. (क) (ii) एक अंग्रेज ने (ख) (i) "तुम एक आलसी लड़के हो।" (ग) (i) कोयले की खानों से पानी निकालने में (घ) (iii) लोहे का घोड़ा (ङ) (iii) दो।

2. (क) भाप की शक्ति (ख) स्कॉटलैंड (ग) क्रोधित
(घ) मस्तिष्क (ङ) आविष्कार।

3.

'अ'	'ब'
आविष्कार	मस्तिष्क
दिमाग	खोज
उत्सुकता	इच्छा
परिश्रम	मेहनत
ताकत	शक्ति
काम	कार्य
मूर्ख	बेवकूफ
व्यर्थ	बेकार

4. (क) ✗, (ख) ✓, (ग) ✗, (घ) ✓, (ङ) ✗।

5. (क) जेम्सवाट का जन्म 19 जनवरी, सन् 1736 को हुआ।
(ख) जेम्स को काष्ठकला और चित्रकला का बड़ा शौक था।
(ग) जेम्स ने रसोईघर में केतली में पानी उबलते और भाप को ढक्कन उठाकर केतली से बाहर निकलते हुए देखा।
(घ) ढक्कन को बार-बार ऊपर उठता देखकर जेम्स के मन में विचार आया कि भाप में महान शक्ति है।
(ङ) सबसे पहले भाप के इंजन का प्रयोग कोयले की गाड़ी खींचने और कोयले की खानों से पानी निकालने में किया गया।

भाषा-बोध

6. एक बार जेम्स रसोईघर में बैठा था। वहाँ उसने केतली में पानी उबलते और भाप को ढक्कन उठाकर केतली से बाहर निकलते हुए देखा। भाप केतली का ढक्कन बार-बार उठा देती थी। वह उसको देखता ही रहा, तभी उसकी चाची रसोईघर में आई और उस पर क्रोधित हुई और बोली—"तुम यहाँ क्या कर रहे हो? जाओ और अपने काम में लगो।" तभी वह खुशी से चिल्ला उठा—"देखो-देखो! भाप ढक्कन को ऊपर धकेल रही है।"

7.

विशेष = **विशेषता**	समान = **समानता**	कवि = **कविता**
स्वतन्त्र = **स्वतन्त्रता**	उत्सुक = **उत्सुकता**	सुन्दर = **सुन्दरता**
पात्र = **पात्रता**	तल्लीन = **तल्लीनता**	नम्र = **नम्रता**

8. (क) घोड़ा + **गाड़ी** = **घोड़ागाड़ी** ऊँट + **गाड़ी** = **ऊँटगाड़ी**
रेल + **गाड़ी** = **रेलगाड़ी**
(ख) आयर + **लैण्ड** = **आयरलैण्ड** नीदर + **लैण्ड** = **नीदरलैण्ड**
स्विट्जर + **लैण्ड** = **स्विट्जरलैण्ड** न्यूजी + **लैण्ड** = **न्यूजीलैण्ड**
(ग) चित्र + **कला** = **चित्रकला** पाक + **कला** = **पाककला**
शिल्प + **कला** = **शिल्पकला** हस्त + **कला** = **हस्तकला**

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

5. मत छोड़ो काम कभी कल पर

पाठ-बोध

1. (क) (ii) आलसी (ख) (iii) काम दोगुना हो जाता है।
(ग) (i) वह नया काम भी ला सकता है। (घ) (iv) ये सभी।

2. (क) जो आज छोड़ **मैदान** चला,
कल कौन काम कर लेगा?
फिर काम **बढ़ेगा** जो कल का,
एक **दिन** में कैसे **कर** लेगा?
(ख) यों देख-देखकर **डर** जाना,
बालक **वीरों** का काम नहीं।

तो काम **आज** का आज करो,
तुम लेना **कल** का नाम नहीं।

3. (क) आज का काम आज ही समाप्त कर देना चाहिए क्योंकि यदि हम आज के कार्य को कल पर छोड़ेंगे तो कल का कार्य बढ़ जाएगा और उसके पूर्ण न होने की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी।

(ख) कवि काम को कल पर छोड़ने के लिए इसलिए मना कर रहा है क्योंकि आज का कार्य कल पर टालने से हमारे कल का कार्य बढ़ जाता है जिसे हम उस दिन भी पूरा नहीं कर पाते और उसे अन्य दिन के लिए टालना पड़ता है।

(ग) वीर बालकों को कार्य को देखकर डर जाना शोभा नहीं देता।

(घ) कवि बालकों को कल का नाम लेने से इसलिए मना कर रहा है कि हमें आज के काम को कभी भी कल पर नहीं छोड़ना चाहिए। आज का काम आज ही सम्पन्न कर लेना चाहिए।

भाषा-बोध

4. बच्चे = **बालक** बहादुर = **वीर** कार्य = **काम** भय = **डर**

5. **समय** = हमें **समय** का सदुपयोग करना चाहिए।
मैदान = बच्चे **मैदान** में खेलते हैं।
वीर = **वीर** बच्चे कार्य को समय पर करते हैं।
आज = आपने **आज** का कार्य कल पर छोड़ दिया।
कल (आने वाला) = राहुल **कल** दुबई जाएगा।
कल (बीता हुआ) = **कल** हम मेरठ गए थे।

6. (क) वह (ख) उसका (ग) यह (घ) वह ।

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

6. वन-महोत्सव

पाठ-बोध

1. (क) (iii) वर्षा को रोकना (ख) (iv) उपर्युक्त सभी में
(ग) (iv) उपर्युक्त सभी (घ) (ii) नए वृक्ष लगाने के लिए
(ङ) (i) एक-तिहाई (च) शुद्ध।

2. (क) लाभदायक (ख) शीतल
(ग) काटकर (घ) जीवन
(ङ) एक-तिहाई।

3. (क) नहीं, (ख) हाँ, (ग) नहीं, (घ) हाँ, (ङ) हाँ।

4. (क) वन हमारे लिए बड़े ही लाभदायक हैं। उनसे हमें फल-फूल, इमारती लकड़ियाँ और ईंधन मिलता है। इनसे हमें अनेक प्रकार की औषधियाँ और साँस लेने के लिए शुद्ध वायु आदि वस्तुएँ प्राप्त होती हैं।

(ख) वन सम्पदा नष्ट होने का कारण जनसंख्या का बढ़ना है। लोग पेड़ों को काटकर बस्ती बसाते जा रहे हैं। जिसके फलस्वरूप वन-क्षेत्र कम होता जा रहा है।

(ग) वन सम्पदा को नष्ट होने से बचाने के लिए जंगल कटने से रोके जा रहे हैं। खाली पड़ी हुई जमीन पर नए-नए वृक्ष लगाए जा रहे हैं।

(घ) पौधे लगाने के लिए पहले गड्ढे तैयार किए जाते हैं। बरसात होने पर इन गड्ढों में मिट्टी, खाद और कीटनाशक दवा डालते हैं, फिर इनमें पौधे रोपे जाते हैं। गड्ढों में पौधों को सीधा लगाते हैं तथा चारों ओर की मिट्टी को अच्छी तरह दबा देते हैं।

(ङ) वन महोत्सव वर्षा ऋतु में मनाया जाता है।

5. (क) ✓, (ख) ✗, (ग) , (घ) , (ङ) , (च) ।

भाषा-बोध

6.

'अ'	'ब'	सही जोड़ा
इमारती	दियासलाई	इमारती लकड़ी
विषैली	दरवाजे	विषैली गैस
छोटी	लकड़ी	छोटी दियासलाई
बड़े	दवा	बड़े दरवाजे
राष्ट्रीय	गैस	राष्ट्रीय कार्यक्रम
कीटनाशक	कार्यक्रम	कीटनाशक दवा

7. (क) निराई (ख) लाभदायक (ग) महोत्सव (घ) वृक्षारोपण (ङ) कीटनाशक।

8. (क) हमारे (ख) उनकी (ग) सारे (घ) ऐसी।

9. (क) रात-दिन = **रात और दिन** माता-पिता = **माता और पिता**
फल-फूल = **फल और फूल** सुख-दुःख = **सुख और दुःख**

(ख) फलदायक = **फल** + **दायक** = **फल देने वाला**
सुखदायक = **सुख** + **दायक** = **सुख देने वाला**
जीवनदायक = **जीवन** + **दायक** = **जीवन देने वाला**
आनंददायक = **आनंद** + **दायक** = **आनंद देने वाला**

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

7. क्रिकेट

पाठ-बोध

1. (क) (ii) 11-11 (ख) (i) विराट कोहली
(ग) (i) महेन्द्र सिंह धौनी (घ) (iii) 6 रन
(ङ) (iii) हॉकी।

2.

क्रिकेट	टेलीविजन	विकेटकीपर	अध्यापक
आउट	गेंद	फुटबॉल	लोकप्रिय

कमेंट्री	रेडियो	शानदार	टेनिस
कुश्ती	पट्टीदार	फील्डिंग	पिच

3. (क) (ब) टेलीविजन पर
(ख) (अ) विकेट
(ग) (अ) अम्पायर
(घ) (अ) कमेंट्री ✓
(ङ) (अ) शतक ✓

4.

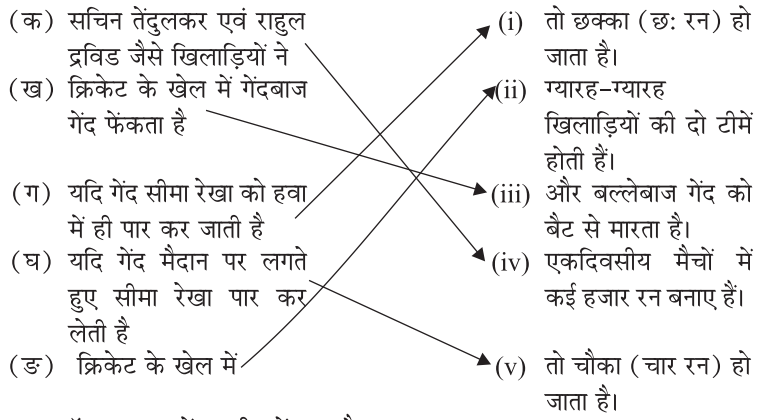

5. (क) बॉलर बाल (गेंदबाजी) फेंकता है।
(ख) आजकल क्रिकेट का खेल बहुत लोकप्रिय हो गया है।
(i) क्रिकेट के खेल में ग्यारह-ग्यारह खिलाड़ियों की दो टीमें होती हैं।
(ii) प्रत्येक टीम में एक विकेटकीपर, तीन-चार गेंदबाज और बल्लेबाज होते हैं।
(iii) यह खेल एक बड़े मैदान में खेला जाता है। मैदान के बीच में एक पतली पट्टीदार पिच होती है जिसमें दोनों ओर तीन-तीन स्टम्प गाड़ दिए जाते हैं, जिन्हें विकेट कहते हैं।
(iv) इस खेल में गेंदबाज गेंद फेंकता है और बल्लेबाज गेंद को बैट से मारता है।
(v) यदि गेंद बल्लेबाज के द्वारा सीमा रेखा से पार कर दी जाती है तो चौका होता है और यदि गेंद सीमा रेखा को हवा में ही पार कर लेती है तो छक्का हो जाता है।
(ग) क्रिकेट के मैच में अम्पायर का कार्य निर्णय करने का होता है।
(घ) विकेटकीपर विकेट के पीछे क्षेत्ररक्षण का कार्य करता है।
(ङ) विराट कोहली, रोहित शर्मा, भुवनेश्वर कुमार, सुरेश रैना, हार्दिक पांड्या हमारे देश के प्रमुख क्रिकेट खिलाड़ी हैं।

भाषा-बोध

6. क्रिकेट एक ऐसा खेल है, जो आजकल बड़ा ही लोकप्रिय है। इसका प्रसारण रेडियो एवं टेलीजिवन पर होता है। क्रिकेट की एक टीम में ग्यारह खिलाड़ी होते हैं। रोहन एवं सोहन दोनों क्रिकेट पर ही संवाद कर रहे हैं, इसमें सोहन रोहन से कहता है कि रोहन तुम मुझे क्रिकेट के विषय में कुछ बताओ।

ज्ञान-बोध

- छात्र स्वयं करें।
- यह क्रिकेट का खेल है तथा इसका प्रारम्भ सर्वप्रथम इंग्लैंड में हुआ था। ❑

8. 'दादा जी' की सीख

पाठ-बोध

1. (क) (ii) आम (ख) (i) गोकुलपुर (ग) (iii) एक किसान
(घ) (iii) चार (ङ) (i) आम की गुठलियाँ बोईं।

2. (क) बेटों ने (ख) गाँव वाले (ग) गाँव वालों ने
(घ) गाँव के कुछ बड़े लोग।

3. **इकट्ठा** = बूढ़ा कूड़ा **इकट्ठा** करता रहता है।
आदर = सभी लोग उनका **आदर** करते थे।
निश्चिंत = अब वे **निश्चिंत** हो गए थे।
समझदार = दादा जी काफी **समझदार** व्यक्ति थे।
कामकाज = दादाजी ने **कामकाज** अपने बेटों को सौंप दिया।

4. (क) किसान भला, सच्चा और नेक इंसान था।
(ख) किसान के चार बेटे थे।
(ग) किसान के बेटों ने कहा कि पिताजी! अब आप घर में आराम करें। ईश्वर का नाम लें। हम कारोबार सँभाल लेंगे।
(घ) आम का मौसम आ जाने पर दादाजी सारे गाँव में चक्कर लगा रहे थे। जहाँ कहीं भी उन्हें आम की गुठलियाँ पड़ी मिलतीं, उन्हें उठाकर वे गाँव के बाहर जाकर जमीन में गाड़ देते थे।
(ङ) दादा जी के मरने के कुछ साल बाद लोगों ने देखा कि वे उनकी भलाई के लिए अच्छा काम कर गए थे। गाँव के चारों ओर आम के पेड़ लहलहा रहे थे। लोग जिसे दादाजी की सनक समझ रहे थे, वह वास्तव में उनकी सूझ थी।

भाषा-बोध

5. किसान = **नेक, सच्चा** बेटे = **समझदार, लायक**
गाँव वाले = **मजाक उड़ाने वाले, आदर देने वाले**

6. (ख) मीनू **सोती** है। (ग) बच्चे ताली **बजाते** हैं।
(घ) तुम पानी **पीते** हो। (ङ) मैना **गाती** है।

7. ईश्वर = **प्रभु, परमात्मा** पुत्र = **बेटा, तनय** पिता = **तात, जनक**

ज्ञान-बोध

- पेड़ हमारे लिए लाभदायक हैं। पेड़ों से हम फल-फूल, लकड़ियाँ, ईंधन, औषधियाँ तथा शुद्ध वायु आदि प्राप्त होते हैं।
- छात्र स्वयं करें। ❑

9. संत कबीरदास

पाठ-बोध

1. (क) (i) तप (ख) (i) मीठा (ग) (ii) छाया (घ) (iii) गोविंद से।

2.

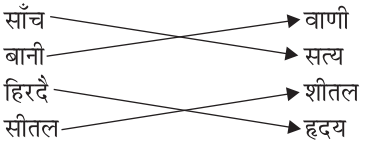

3. (क) साँच बराबर तप नहीं, **झूठ बराबर पाप**।
जाके हिरदै साँच है, ताके हिरदै आप।।

(ख) बड़ा हुआ **तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर**।
पंथी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर।।

(ग) काल्ह करै सो आज कर, **आज करै सो अब।**
पल में परलै होयगी, **बहुरि करैगो कब।।**

4. (क) हमें अपने अभिमान को त्यागकर मीठा बोलना चाहिए।

(ख) जो लोग हमेशा सच का तप करते हैं, कभी झूठ नहीं बोलते उनके हृदय में ईश्वर वास करते हैं।

(ग) गुरु एवं ईश्वर दोनों के साथ खड़े होने पर पहले गुरु के चरण इसलिए छूने चाहिए क्योंकि ईश्वर तक पहुँचने का रास्ता हमें गुरु ने दिखाया है।

(घ) कल का काम आज, और आज का काम अभी इसलिए कर लेना चाहिए कि समय का कुछ पता नहीं है, क्या पता कब में कुछ प्रलय हो जाए जिससे वो काम रुक जाएगा।

(ङ) कवि ने खजूर के पेड़ जैसा बनने के लिए इसलिए मना किया है क्योंकि उस पेड़ से कोई ज्यादा लाभ नहीं है, न तो वह छाया देता है और उस पर फल भी बहुत दूर लगते हैं।

भाषा-बोध

5. पाप = **पुण्य** दोस्ती = **दुश्मनी** बड़ा = **छोटा**
सत्य = **असत्य** आज = **कल**

6. छात्र स्वयं देखें।

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

10. बहादुर बालक

पाठ-बोध

1. (क) (ii) इसकी जमीन बहुत स्थानों पर समुद्र-तट से नीचे है।

(ख) (iv) सुबह होने पर जब लोगों ने पीटर को दीवार के छेद पर पीठ लगाए देखा तो गाँव के कुछ लोगों ने मिलकर दीवार की मरम्मत कर दी।

(ग) (i) पीटर अपने टीचर के घर रह गया होगा।

(घ) (iii) उसे फूलों का गुलदस्ता भेंट किया।

(ङ) (i) पीटर ने गाँव को डूबने से बचा लिया।

2. (क) नीचे (ख) पीठ (ग) प्रसन्न हुए (घ) धन्यवाद (ङ) सम्मान।

3. (क) ✗, (ख) ✓, (ग) ✗, (घ) ✓, (ङ) ✓।

4. (क) यूरोप में हालैण्ड नाम का एक छोटा-सा देश है।

(ख) पानी के तेज बहाव को रोकने के लिए पीटर दीवार के छेद पर पीठ लगाकर खड़ा हो गया।

(ग) पानी रिस-रिसकर पीटर को भिगो रहा था, पूरी रात भीगने के कारण उसका शरीर ठण्ड से अकड़ गया।

(घ) लोगों ने पीटर को फूलों के गुलदस्ते भेंट किए, उसे अपने कन्धों पर उठाकर जुलूस निकाला। 'पीटर जिंदाबाद' के नारे लगाए। इस तरह लोगों ने उसका सम्मान किया।

(ङ) हालैण्ड के लोग आज भी इस बहादुर बालक को सम्मान के साथ इसलिए याद करते हैं क्योंकि उस छोटे से बालक ने अपने गाँव को डूबने से बचाया था।

5. (क) नहीं, (ख) हाँ, (ग) नहीं, (घ) नहीं, (ङ) हाँ।

भाषा-बोध

5. (i) **सुन्दरता** = मोर बहुत **सुन्दरता** से नाचते हैं।

(ii) **जल्दी** = आप **जल्दी** से चले जाना।

(iii) **अचानक** = आप **अचानक** से आ गए।

(iv) **कम** = आप बहुत **कम** पढ़ते हो।

(v) **अच्छा** = गीता बहुत **अच्छा** गाती है।

7. (क) बहुत (ख) अच्छा (ग) उधर (घ) बाहर (ङ) तेजी से।

8. (क) लड़का (ख) कमरा (ग) पुस्तकें (घ) छतें (ङ) गुलदस्ते (च) नारों।

9. गाँववालों ने पीटर का बड़ा सम्मान किया। साथियों ने उसे फूलों के गुलदस्ते भेंट किए। उसे कन्धों पर उठाकर जुलूस निकाला। 'पीटर जिंदाबाद' के नारों से आसमान गूँज उठा। लोगों ने कहा—"बहादुर पीटर ने गाँव को डूबने से बचा लिया। ईश्वर उसकी बड़ी उम्र करे।"

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें।

क्रियाकलाप

❖ छात्र स्वयं पढ़ें।

❑

11. प्लास्टिक हटाओ, जीवन बचाओ

पाठ-बोध

1. (क) (i) पॉलिथीन के थैले में (ख) (ii) प्रदूषण (ग) (i) हानिकारक (घ) (iv) ये सभी।

2. (क) प्लास्टिक प्राकृतिक रूप से नष्ट नहीं होता है। ✓

(ख) दैनिक उपयोग की वस्तुओं में प्लास्टिक का ही चलन है। ✓

(ग) आज प्लास्टिक से बनी वस्तुओं की गिनती करना असंभव है। ✓

(घ) हम जब भी सामान खरीदने जाएँ तो अपने साथ थैला अवश्य ले जाएँ। ✓

3. (क) पाठ में प्लास्टिक प्रदूषण के बारे में बात की गई है।

(ख) पॉलिथीन/प्लास्टिक की सबसे बड़ी कमी यह है कि यह प्राकृतिक रूप से नष्ट नहीं होती है।

(ग) प्लास्टिक एक ऐसा पदार्थ है जो कि हजारों सालों तक ज्यों-का-त्यों पड़ा रहता है। यह अन्य पदार्थों की तरह विघटित नहीं होता है। खेतों में मिट्टी के अंदर अगर पॉलिथीन आ जाती है, तो बीज का अंकुर ऊपर नहीं निकल पाता है। जिससे पर्यावरण प्रदूषण उत्पन्न होता है और भूमि की उर्वरा शक्ति घट जाती है।

(घ) प्लास्टिक द्वारा उत्पन्न प्रदूषण से बचने के लिए हमें कपड़े या जूट के थैलों का प्रयोग करना चाहिए या कागज के बने थैले, थैलियों का प्रयोग करना चाहिए और यदि हमें कभी पॉलिथीन का प्रयोग करना ही पड़े तो उपयोग के बाद उसे इधर-उधर न फेंके। इस प्रकार यदि समस्त देशवासी अपने-अपने स्तर से इस कार्य में सहयोग दें, तभी हम लोग प्लास्टिक प्रदूषण से बच सकते हैं।

भाषा-बोध

4. थैला = **थैलों** — थैली = **थैलियाँ**

कारखाना = **कारखानों** — सब्जी = **सब्जियाँ**

5. स्वच्छ = **अस्वच्छ** — प्राकृतिक = **अप्राकृतिक**

सत्य = **असत्य** — स्वस्थ = **अस्वस्थ**

सहयोग = **असहयोग**

6. (क) **कौन** मर गई है? — (ख) **कौन** इसके लिए जिम्मेदार हैं?

(ग) पापा बाजार से **क्या** लाते हैं? — (घ) प्लास्टिक के कारखाने **क्या** फैलाते हैं?

7. (क) मेज पर पुस्तकें रखी हैं। — (ख) पुस्तकें मेज के ऊपर रखी हैं।

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

12. महाराजा रणजीत सिंह

पाठ-बोध

1. (क) (iii) गुजराँवाला में। (ख) (ii) उन्होंने स्कूली शिक्षा प्राप्त नहीं की थी। (ग) (ii) राज कौर (घ) (ii) राजमहल के दरवाजे पर (ङ) (iv) जब दरबार लगता था।

2. (क) प्यार, (ख) फसलें, (ग) अनाज, (घ) भेदभाव, (ङ) हीरा।

3. (क) ✓, (ख) ✗, (ग) ✓, (घ) ✓, (ङ) ✗, (च) ✗, (छ) ✓।

4. (क) रणजीत सिंह अपनी प्रजा से प्यार करते थे, इसलिए उनकी प्रजा भी उनसे प्यार करती थी।

(ख) बूढ़े आदमी द्वारा रास्ता पूछने पर राजा ने बूढ़े का थैला अपने कन्धे पर रखकर उसे उसकी झोंपड़ी तक पहुँचाया। इस तरह राजा ने बूढ़े आदमी की मदद की।

(ग) आदमी अपने अच्छे कर्मों से बड़ा बनता है।

(घ) महाराजा रणजीत सिंह सिक्ख थे। लेकिन उन्होंने कभी भेदभाव नहीं किया और प्रत्येक समुदाय के लोगों को इकट्ठा करके अपनी फौज तैयार की।

(ङ) रणजीत सिंह प्यार से अपना शासन चलाते थे। उन्होंने कभी किसी को फाँसी की सजा नहीं दी वे क्षमादान में विश्वास रखते थे।

(च) अजीजुद्दीन ने उत्तर दिया कि मेरे शासक के पास सूरज की ताकत है, उनसे कोई भी आँख नहीं मिला सकता है। इसलिए मैं उनकी आँखों के बारे में कुछ नहीं कह सकता। अगर आप उनके बारे में जानना चाहते हैं तो केवल उनके पैरों के बारे में ही बता सकता हूँ, क्योंकि मैं जब उनके सामने होता हूँ तो मेरी नजरें झुकी रहती हैं और मैं उनके पैर ही देख सकता हूँ।

(छ) रणजीत सिंह शिकायत पेटी की चाबी अपने पास रखते थे जिससे कि वे प्रजा की शिकायतों का समाधान प्रत्यक्ष रूप से कर सकें।

5.

'अ'	**'ब'**
चिन्ता	फिक्र
प्रशंसा	बड़ाई
उत्साह	जोश
परीक्षा	इम्तिहान
निपुणता	कुशलता
दरियादिल	उदार

भाषा-बोध

6. संज्ञा—(क) रणजीत सिंह, प्रजा (ख) नानी, विराट
(ग) लोग, महाराजा (घ) हीरा (ङ) नानी।

सर्वमान—(क) उनसे (ख) तुम, वह, तुम्हें (ग) उन्हें (घ) उनके (ङ) आप, हमें।

7. नीरज = **काँटा** प्रकाश = **अन्धकार** न्याय = **अन्याय**
विश्वास = **अविश्वास** सरल = **कठिन** शूरवीर = **कायर**
स्वतन्त्र = **परतन्त्र**

8. शहर = **शहरी** सुख = **सुखी** गुण = **गुणी**
अनुभव = **अनुभवी** धन = **धनी**

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

13. चाँद का कुर्ता

पाठ-बोध

1. (क) (ii) चाँद को जाड़े में ठिठुर-ठिठुर कर अपनी यात्रा पूरी करनी पड़ती थी।
(ख) (i) कोई भाड़े का कुर्ता ही ला दो।
(ग) (iii) किसी दिन बड़े आकार में तो किसी दिन छोटे आकार में।
(घ) (iv) उपर्युक्त सभी।
(ङ) (iii) : (i) व (ii) दोनों

2. प्रस्तुत पंक्तियों में चाँद की माता चाँद से कह रही है कि तू प्रत्येक दिन घटता-बढ़ता रहता है, कभी तो बहुत बड़े आकार का हो जाता है और कभी एकदम छोटा हो जाता है, और कभी-कभी तो तू दिखाई भी नहीं देता है।

3. (क) सन-सन चलती **हवा** रात भर,
जाड़े से मरता हूँ,
ठिठुर-ठिठुर कर किसी तरह,
यात्रा **पूरी** करता हूँ।
(ख) **जाड़े** की तो **बात** ठीक है,
पर मैं तो **डरती** हूँ,
एक **नाप** में कभी नहीं,
मैं **तुझको** देखा करती हूँ।

4. (क) **हठ कर बैठा** चाँद एक दिन, माता से यह बोला,
सिलवा दो माँ मुझे ऊन का, मोटा एक झिंगोला।
(ख) **सन-सन** चलती हवा रात भर, जाड़े से मरता हूँ,
ठिठुर-ठिठुर कर किसी तरह, यात्रा पूरी करता हूँ।
(ग) **घटता-बढ़ता** रोज किसी दिन, ऐसा भी करता है,
नहीं किसी की आँखों को तू, दिखलाई पड़ता है।
(घ) **कभी एक** अंगुल भर चौड़ा, कभी एक फुट मोटा,
बड़ा किसी दिन हो जाता है, और किसी दिन छोटा

5. (क) चाँद माँ से एक मोटा-सा ऊन का झिंगोला सिलवाने की हठ कर बैठा।
(ख) जाड़े की रात में चाँद ठण्ड में ठिठुर कर किसी तरह अपनी यात्रा पूरी करता था।
(ग) चाँद की माँग को सुनकर माँ उसकी नाप से परेशान हो गई क्योंकि चाँद कभी बढ़ जाता था कभी घट जाता था और कभी दिखाई ही नहीं देता था।
(घ) अन्त में, माँ ने उसका एक झिंगोला सिलने का उपाय सोचा।

भाषा-बोध

6. (क) यह (ख) वे (ग) वह (घ) यह।

7.

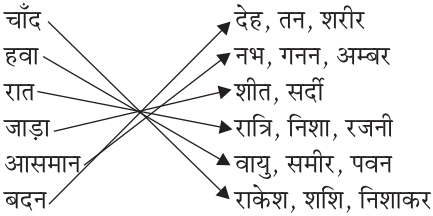

8. झिंगोला = **बोला** जाड़े = **भाड़े** मोटा = **छोटा**
मरता = **करता** डरती = **करती** सलोने = **जादू-टोने**

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

14. हमारे राष्ट्रीय त्यौहार

पाठ-बोध

1. (क) (ii) 15 अगस्त (ख) (iii) 2 अक्टूबर
(ग) (i) 14 नवम्बर (घ) (iii) 26 जनवरी

2. (क) हम अपनी स्वतन्त्रता को अमर रखेंगे।
(ख) संविधान।
(ग) का आयोजन किया जाता है।
(घ) मशाल सदैव आलोकित रहेगी।

3. (क) ✗, (ख) ✓, (ग) ✓, (घ) ✗।

4. (क) राष्ट्रीय त्यौहार ऐसे पर्व हैं, जो किसी जाति विशेष के नहीं हैं, बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र के हैं।
(ख) गणतन्त्र दिवस 26 जनवरी को सम्पूर्ण भारत में बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता है।
(ग) 26 जनवरी 1950 को हमारे देश का संविधान लागू हुआ था।
(घ) गाँधी जी ने सत्य और अहिंसा के बल पर हमारे देश को स्वतन्त्र कराया। उनके दिव्य संदेश की मशाल सदैव आलोकित रहेगी और लोगों को सत्यमार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती रहेगी।

भाषा-बोध

5. (क) मैंने खाना **खाया** था। (ख) वह घर **जा रही** है।
(ग) लड़की पुस्तक **पढ़ेगी**।

ज्ञान-बोध

हमारा राष्ट्रीय ध्वज = **तिरंगा** हमारा राष्ट्रीय पुष्प = **कमल**
हमारा राष्ट्रीय पशु = **बाघ** हमारा राष्ट्रीय पक्षी = **मोर** ❑

15. जीवनदाता

पाठ-बोध

1. (क) (ii) खेती
(ख) (iii) अबू को अपनी माँ की सीख याद हो आई कि सभी जीवों पर दया करनी चाहिए।
(ग) (iii) अमेरिका के महान् राष्ट्रपति बने।

2. (क) जी तोड़, (ख) खुश, (ग) समझदार, (घ) दया, (ङ) साए।

3. (क) ✗, (ख) ✓, (ग) ✗, (घ) ✓, (ङ) ✓।

4. (क) अब्राहम लिंकन के पिता परिश्रमी व्यक्ति थे।
(ख) अब्राहम बचपन से ही समझदार, शालीन और मेहनती थे।
(ग) अबू की माँ उन्हें सदा यह शिक्षा देती थीं कि हर आदमी को दूसरों के काम आना चाहिए। सभी जीवों पर दया करनी चाहिए।
(घ) अबू ने कुत्ते को उठाया और अपने घर ले जाकर उसकी चोट पर दवा लगाई।
(ङ) अबू पहाड़ी गुफा में खरगोश को पकड़ने के लिए घुसे थे।
(च) जब अबू के पिता और कुछ लोग अबू के न मिलने से निराश होकर वापस लौट रहे थे तो अचानक अबू के पिता ने कुत्ते के भौंकने की आवाज सुनी। वे तुरन्त पहचान गए कि यह उनके कुत्ते की आवाज है। वे लोग उधर गए जिधर से आवाज आ रही थी। वहाँ उन्होंने देखा कि कुत्ता एक पत्थर को अपने पंजे से हटाने का प्रयास कर रहा है और भौंक रहा है। सब लोगों ने मिलकर पत्थर हटाया और अबू को बाहर निकाला। इस प्रकार कुत्ते ने अबू के प्राण बचाए।

भाषा-बोध

5. **विशेषण** = (क) शालीन (ख) उदार (ग) अच्छी (घ) घायल (ङ) सुहावना।
विशेष्य = (क) अब्राहम (ख) माँ (ग) कहानियाँ (घ) कुत्ता (ङ) मौसम।

6.

वर्तमान काल	**भूतकाल**	**भविष्यत् काल**
सुहावना मौसम है।	सुहावना मौसम था।	सुहावना मौसम होगा।
गर्मी पड़ रही है।	गर्मी पड़ रही थी।	गर्मी पड़ेगी।
ईशान प्रसन्न है।	ईशान प्रसन्न था।	**ईशान प्रसन्न होगा।**
दुकान पर भीड़ है।	**दुकान पर भीड़ थी।**	**दुकान पर भीड़ होगी।**
बालक पढ़ते हैं।	**बालक पढ़ते थे।**	**बालक पढ़ेंगे।**
तुम जानते हो।	**तुम जानते थे।**	तुम जानोगे।

7.

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
पिता	**माँ**	पुत्र	**पुत्री**
पुरुष	स्त्री	**घोड़ा**	घोड़ी

8. (क) दूध, (ख) खाना, (ग) सब्जी, (घ) हिन्दी, (ङ) कार।
दिनभर = **दिन** + **भर** = **पूरे दिन**

समझदार = **समझ** + **दार** = **अधिक समझ वाला**
जीवनदाता = **जीवन** + **दाता** = **जीवन देने वाला**
लहूलुहान = **लहू** + **लुहान** = **खून से लथपथ**

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

16. दयालु दीपचंद

पाठ-बोध

1. (क) (i) दयालु (ख) (ii) धनी व उदार (ग) (i) मिठाई बेचने लगा
(घ) (iii) पाँच रुपये।

2. (क) उदार (ख) मंदिर (ग) फटे-पुराने
(घ) कैलाश (ङ) लालची।

3. (क) कैलाश ने, सेठ दीपचंद से। (ख) सेठ दीपचंद ने, कैलाश से।
(ग) सेठ दीपचंद ने, कैलाश से। (घ) कैलाश ने, सेठ दीपचंद से।

4. (क) सेठ दीपचंद बहुत धनी और उदार व्यक्ति थे।
(ख) वे प्रतिदिन प्रात: काल स्नान करके मंदिर जाते थे।
(ग) मंदिर के द्वार पर उन्हें एक बालक मिला। वह अत्यंत भूखा था और उसके कपड़े फटे-पुराने थे।
(घ) दीपचंद ने कैलाश को सौ रुपये दिए।
(ङ) कैलाश उन रुपयों को पाकर रोजगार करने के लिए चल पड़ा। अब वह मिठाई बनाने लगा और फेरी लगाकर बेचने लगा।

भाषा-बोध

5. (क) वर्तमान काल, (ख) भूतकाल, (ग) भविष्य काल, (घ) भूतकाल, (ङ) भविष्य काल।

6. (क) जाएँगे (ख) खाऊँगा (ग) जाएँगे।

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

17. वामन के तीन पग

पाठ-बोध

1. (क) (ii) महाबलि (ख) (iv) बावन अंगुल (ग) (iii) पाताललोक (घ) (i) महाबलि के सिर पर

2. (क) भगवान विष्णु ने वामन अवतार धारण किया। उन्होंने अपने शरीर को बावन अंगुल के बराबर बना लिया।
(ख) हजारों वर्ष पहले केरल में महाबलि नाम के एक राजा का राज्य था।
(ग) भगवान विष्णु ने दो ही कदम में पूरी पृथ्वी को नाप लिया।

(घ) राजा बलि ने अपने मंत्रियों को आदेश दिया कि नगरी के आसपास रहने वाला कोई भी मनुष्य यज्ञ में आए बिना न रह सके।

3. (क) यश, (ख) वामन, (ग) विशाल, (घ) हँसी।

4. **इनकार** = भगवान विष्णु ने वहाँ आने से **इनकार** कर दिया।
निवेदन = राजा बलि ने स्वयं जाकर भगवान विष्णु से **निवेदन** किया।
निमंत्रण = राजा बलि ने सभी को **निमंत्रण** भेजा।
स्वामी = राजा बलि पृथ्वीलोक के **स्वामी** बन गए थे।

भाषा-बोध

5. मंत्री = **मंत्रियों** खबर = **खबरों** राजा = **राजाओं** वचन = **वचनों**

6. (क) राजा बलि ने यज्ञ आरम्भ किया।
(ख) भगवान विष्णु ने वामन अवतार धारण किया।

ज्ञान-बोध

❖ छात्र स्वयं करें। ❑

अर्द्धवार्षिक परीक्षा प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

1. (क) (ii) एक दिन के उपवास की (ख) (i) "तुम एक आलसी लड़के हो।"
(ग) (iii) काम दोगुना हो जाता है। (घ) (ii) नए वृक्ष लगाने के लिए
(ङ) (i) आम की गुठलियाँ बोईं

2. (क) पूर्णिमा (ख) गुलाल (ग) काटकर (घ) जीवन (ङ) एक-तिहाई।

3. (क) ✗, (ख) ✓, (ग) ✓, (घ) ✗, (ङ) ✓।

4. (क) कवि दीन-दु:खी, निबलों और विकलों का सेवक बनकर संताप हरना चाहता है।
(ख) कवि ने जिस देश में और जिस जाति में जन्म लिया उसी पर बलिदान होने की कामना कर रहा है।
(ग) ढक्कन को बार-बार ऊपर उठता देखकर जेम्स के मन में विचार आया कि भाप में महान शक्ति है।
(घ) सबसे पहले भाप के इंजन का प्रयोग कोयले की गाड़ी खींचने और कोयले की खानों से पानी निकालने में किया गया।
(ङ) दादा जी के मरने के कुछ साल बाद लोगों ने देखा कि वे उनकी भलाई के लिए अच्छा काम कर गए थे। गाँव के चारों ओर आम के पेड़ लहलहा रहे थे। लोग जिसे दादा जी की सनक समझ रहे थे, वह वास्तव में उनकी सूझ थी।

5.

'अ'	'ब'
प्रसन्नता	खुशी
दहन	जलाना
प्रथा	रिवाज
सूत्र	धागा
त्वचा	खाल
भेदभाव	अंतर

6. प्रभु = **भगवान**, **ईश्वर** कर्त्तव्य = **कर्तन**, **कर्तनक** प्रेम = **प्यार**, **स्नेह**
शक्ति = **ताकत**, **बल** संताप = **दुःख**, **कष्ट**

7. **समय** = हमें **समय** का सदुपयोग करना चाहिए।
मैदान = बच्चे **मैदान** में खेलते हैं।
वीर = **वीर** बच्चे कार्य को समय पर करते हैं।
आज = आपने **आज** का कार्य कल पर छोड़ दिया।
कल (आने वाला) = राहुल **कल** दुबई जाएगा।

वार्षिक परीक्षा प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

1. (क) (iii) गोविन्द से (ख) (iv) उपर्युक्त सभी
(ग) (iii) किसी दिन बड़े आकार में तो किसी दिन छोटे आकार में।
(घ) (ii) खेती (ङ) (ii) महाबलि।

2. (क) नीचे (ख) पीठ (ग) उदार (घ) मंदिर (ङ) विशाल।

3. (क) ✗, (ख) ✓, (ग) ✗, (घ) ✓, (ङ) ✗।

4. (क) प्लास्टिक एक ऐसा पदार्थ है जो कि हजारों सालों तक ज्यों-का-त्यों पड़ा रहता है। यह अन्य पदार्थों की तरह विघटित नहीं होता है। खेतों में मिट्टी के अंदर अगर पॉलिथीन आ जाती है, तो बीज का अंकुर ऊपर नहीं निकल पाता है जिससे पर्यावरण प्रदूषण उत्पन्न होता है और भूमि की उर्वरा शक्ति घट जाती है।

(ख) रणजीत सिंह अपनी प्रजा से प्यार करते थे, इसलिए उनकी प्रजा भी उनसे प्यार करती थी।

(ग) बूढ़े आदमी द्वारा रास्ता पूछने पर राजा ने बूढ़े का थैला अपने कंधे पर रखकर उसे उसकी झोपड़ी तक पहुँचाया। इस तरह राजा ने बूढ़े आदमी की मदद की।

(घ) चाँद माँ से एक मोटा-सा ऊन का झिंगोला सिलवाने की हठ कर बैठा।

(ङ) अबू की माँ उन्हें सदा यह शिक्षा देती थीं कि हर आदमी को दूसरों के काम आना चाहिए। सभी जीवों पर दया करनी चाहिए।

5. गुरु = **लघु** दोस्ती = **दुश्मनी** पाप = **पुण्य**
सत्य = **असत्य** बड़ा = **छोटा**

6.

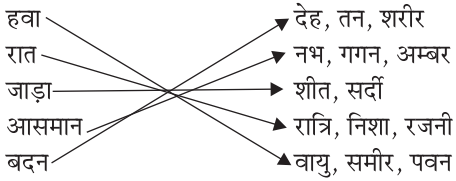

7. (क) ✗, (ख) ✓, (ग) ✗, (घ) ✗, (ङ) ✓। ❑